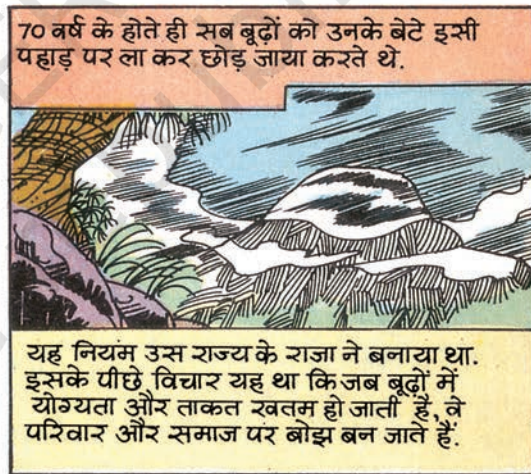


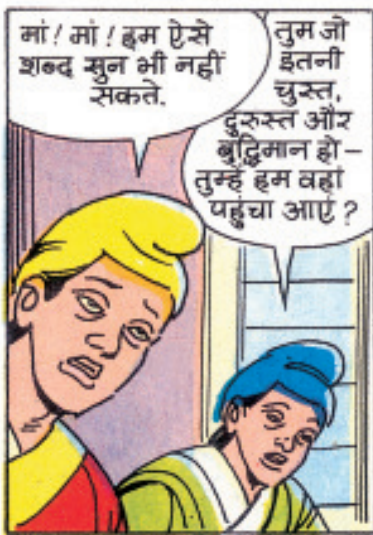


0752CH17

मौत का पहाड़

शब्द : गायत्रीमदन दत्त
चित्र : राम वाईरकेव





मेरे बच्चों,
कानून से तुम कैसे
लड़ोगे?



कोई चारा न था...



जैसे-जैसे वे ऊपर चढ़ते जा रहे थे, सुमी रास्ते के किनारे पर उगे हुए सरकड़ों को तोड़ कर गिराती जा रही थी.



वह खुद तो उस रास्ते पर वापस नहीं आनेवाली थी. पर अपने बेटों के लिए लौटने के रास्ते पर निशान छोड़ती जा रही थी.

